

१५ जनवरी ३०२० घार्ट बेला १००० अलिमायु व्याप्तिवधेके बोर्डरे नगान्ह शूरीत प्रशासनी

- | | | | |
|-----|---|--------|--------------|
| (१) | ज्ञः दर्शन एव, ए, साधिष्ठ, ति एष जि,
देवेष्टत रथाण्डान् (वाऽकादम्बप पार्थि),
चारा क्षाक्षेवयेष्टे । | महामहि | - ऐश्वर्यस्त |
| (२) | ज्ञः दर्शन ए, एष, एव, साधिष्ठ एव
ए, एव, ति, एष ए एव ०, ऐ एव एवेच,
चारा क्षाक्षेवयेष्टे । | महामहि | - ऐश्वर्यस्त |
| (३) | ज्ञः दर्शन जिदा काङ् श्वासेन, ति इ,
ति एव ए एव, (पार्थि), चारा क्षाक्षेवयेष्टे | महामहि | - ऐश्वर्यस्त |
| (४) | ऐरेऽ रथाण्डान् वक्ष्यत वेष्टाद्य, ० ति
वाऽकादम्बप विधावं चाहिवी॥ | महामहि | - ५ |
| (५) | ज्ञः रथाण्डान् जाहशष जानौ छोपन्ती,
जि, ०, वाऽकादम्बप द्वो-जाहिवी, चारा | महामहि | - ५ |
| (६) | जवण्ड्र ग्राम् देवेष्ट ए, ति, देव,
चारा क्षाक्षेवयेष्टे । | महामहि | - ५ |
| (७) | जवाव पश्चीदुद्ध रथवाव, चारा क्षाक्षेवयेष्टे | महामहि | - ५ |
| (८) | जवाव उद्ध तैयार रथवाव, ति, इ, ०,
चारा क्षाक्षेवयेष्टे । | महामहि | - ५ |

ঘাসিক জাম, ব্যুর ও বহেয়া গাতব।

ଜୀବଧାରୀ (୧୯୫୨) ମାତ୍ରର ପାଇଁ କାହିଁ ଓ ସମେଷା ଗାଁଦାର ଦିଶାବ ଦୟଗତ ଥିଲା ।

ଶ୍ରୀମଦ୍ ଭଗ୍ବାତୁ ବିନାନ୍ଦମ

४३८ जाव्हाही (१९७५) शा वेत शास्त्र दर्शनीय पिंडीली विद्युचनां एवा।

गर्वांशब्दी इतिहा

গচ ৪-১-৭৫ টারিখের ১৮ মুক্তিগ্রহণ ঘোষণা

त्रिपुरे ऐतिहासिक पर्यावार सामिला विधायक बाजलिंग एवं उपर्युक्त
समिति के अधीन दिल्ली विधायक ऐतिहासिक पर्यावार समिति एवं उपर्युक्त
समिति परम्परा अवश्यक रहता ।

७/८/९३

प्रतिष्ठा देना लाभ । शुभि धार्मि द्वारा विप्रिं एव राम्यमृतीर भाष्णे घासिद स्थानेन
निरुद्धी प्रदाने पाठ्यात् इति ।

प्रतिष्ठा देना लाभ । द्वेष विचारेन च तार्पणं अद्वयात् राम्यमृती ग्रन्था
नाम स्मरणम् ।

प्रतिष्ठा - विकल्पोऽपि कुमोर्म वस्त्रग्रन्थ ।

स्थानेवं तर्हि यामान अम्भालि शुभ्रता दृष्टिं

ପାଠୀ ପୁନର୍ଭାଗ ବିଭାଗ

ପତ୍ର ୨୧-୧୯୫୭ ଜାରିଥିଲେ ୧୨-୩ ମେ ଶୁଭ ୨୮-୧-୫୩ ଜାରିଥିଲେ ୧୯ ଶୁଭାବ୍ଦିକା

यामेवरमेके दो सूचियां १ ऐव्हिएक्स कार्ड्स तथा २ वाई वाली ही अंग्रेज़ गर्मियों द्वारा उपयोग
की गयी शिखण्ड बदल द्वारा "वि-४" द ग्राम्य द्वारा "वि-५" द ग्राम्य द्वारा दिया गया था

१५४ नमिता मिशन बिहार लोकवाद एवं विकास योग

नियमी अंडिकृतावैष्टिक लिपित द्वा जा, विद्वां प्राप्त वदे पापि लक्ष्यार्थ श्वर्गर्थे ज्ञानेवद्वे च
प्राप्त वदे वृत्तवैष्टिक लिपित लिप्तवा च ।

परमि शाठार चालूक्य १८८ दिनारी

पर्याप्त विवरण द्वारा इन १ वर्षों में लगभग एक लाख वर्ष अवधि के दौरान समीक्षा के द्वारा भवति आवश्यक विवरण उपलब्ध हुए हैं।

प्राचीन लिपि वाले अंग्रेजों का नाम ब्रिटिश पार्लियमेंट

50193

। उक्तादि चतुर्थि के वृद्धिनाम जगीले अद्योजनवैष्ण वायपंशा श्रीहन्मन विभित्ते
एवम् ।

स्वरूप रहा तर हि प्रियो देवता र शारु पठीव पुद्गालवैष्ण दिथान् २९ म ८ शारदी
१९६४-१९६८ (लालमिस) पास बगुडा ११८ एवं उपि सारा "५-२" लालमिस द्वारा
कालांकित कराया गया तथा यह विषय स्वरूप सरप्रिके सृजनहरे विषय विवेचना और व्युत्पादन
करने के लिए उपयोग किया जाता है।

प्रियं त्वयि देव अस्मि त्वयि देव अस्मि ।
त्वयि देव अस्मि प्रियं त्वयि देव अस्मि ।
त्वयि देव अस्मि प्रियं त्वयि देव अस्मि ।

શિક્ષણ નિર્મિત કાર્ય પૂર્ણ રીતે ભાર્તીય વિદ્યા બનાવ

19. *Leucosia* (Leucosia) *leucostoma* (Fabricius) (Fig. 19)

ପ୍ରଥମ ଦୋଷ କରିବାର ଲାଭପାଦ ଧାତ୍ତା ଧର୍ମ କରାର ବିଷୟଟି ବିବେଚନା ହୁଏ

सारथा दद्ध ऐविधि : शुद्धजीवन उत्तम

१०-११-५८ रात्रियोग ७ वरे शुद्ध उमाय घन० १०-११-५८ रात्रियोग ७ वरे शुद्ध उमा

जायमा यह शिरिदि प्रयत्नीष्य अस्तु विवरणी ज्ञान वैष्ण लोकेष्व एवं एत्याधित वाचन अवश्य

प्राचीन शूल उत्तराधिक दायेह पश्चात्याव वि लेपदिवि घट्टस्त्रीषु घट्टेषु

१८५४-५-३० शास्त्रिय गुरुप्रसाद नरूल ४४४-४-३० शास्त्रिय प्रसाद गुरुल ४४४-४-३०

ପାଇଁ ଓ ଶାନ୍ତିର କାହାରେ ମଧ୍ୟୋତ୍ତମ ଅନୁଷ୍ଠାନ ଦୂର ଦୈତ୍ୟ ପ୍ରସାର କରିବାକୁ ବିଷୟରେ ଧ୍ୟାନ ।

ବ୍ୟକ୍ତି ମୁଦ୍ରା ଉପରେ ଲେଖିବାରେ ଏହାକିମ୍ବନ୍ ଉଜ୍ଜ୍ଵଳ

१९८७-८८-०६ अदित्य ५ नव शूद्र उत्तरायण वर्ष २०४-५-०९ अदित्य ५ वृश्चिक वर्ष

१०८ वर्षीय अवधि अपेक्षित वर्ष वर्षाय विनियोग वित्त वर्षावर्षावर्षावर्षा

४०-४१ वर्षात् लोह देखुन शुभ दृश्यम् ।

१८४ पुस्तकालय | यात्रीन्/रेकॉर्डप्रिंटर | १ दक्षिणवार्ष | १ अवैष्टिक उद्दिष्ट

७०१९८ २०१९८

काला रुद्रे वही किसान्हु घर्टुके विषय शिक्षा एवं स्वता रसाय

काला रुद्रे वही किसान्हु घर्टुके विषय शिक्षा एवं स्वता रसाय
को देख उठाने वाले पात्र हार्दिक लगाते लम्बे लम्बे लम्बे लम्बे

काला रुद्रे वही किसान्हु घर्टुके विषय शिक्षा एवं स्वता रसाय
को देख उठाने वाले पात्र हार्दिक लगाते लम्बे लम्बे लम्बे लम्बे

काला रुद्रे वही किसान्हु घर्टुके विषय शिक्षा एवं स्वता रसाय
को देख उठाने वाले पात्र हार्दिक लगाते लम्बे लम्बे लम्बे लम्बे

काला रुद्रे वही किसान्हु घर्टुके विषय शिक्षा एवं स्वता रसाय

ପ୍ରକଳ୍ପିତ ଧ୍ୟାନଟ ୧୯୨୩ ସବୁ ୧୯୯ ଥାଣା ବୋତାଦେଇ ବିଦେଶୀଭାଷାରେ ଲାଗୁ ହେଲା ଏବଂ ବିଦେଶୀର ଧାରେ ଉଚ୍ଚାରଣ କରାଯାଇଛି । ବଦ୍ୟାଶ୍ଵଲି ବିଦେଶୀଭାଷା ମୁଦ୍ରା ପ୍ରକଳ୍ପିତ ଅଧ୍ୟେ ପାଞ୍ଜାବ ବନ୍ଦାନୋ ଏବଂ ଉତ୍ତର ଅଧିକାରୀଙ୍କର ମଧ୍ୟ ବନ୍ଦାନୋ ।

ବିଜୁକ ୩ ପ୍ରତୀ ବେ ୫ ଧାନୀରୁ/ଶୈଳୋକ୍ତ୍ରା କାର୍ଯ୍ୟର ବାବୁ ୧ ଲୋଡ଼ୀ ୧ ଶବ୍ଦର

ठिक्कार्य विभाग / शार्टेली वर्गीय

(८) ७९ द्वादश बाष्पिन्द्र पाश्चात्य (दृष्ट) फि ८ वर्षेच वर्ग वर्णासा । लोकेन्द्र वर्णा ।

४० राजक्षेत्रवेत्ते चर्त्तिष्ठ एदानि

(२) २०४-२७१ (गोरक्षित) बेसब ज्ञानवा घापनाह। ईश्वरिणी। गोमिन वस्त्रा

১৮) ৮৫ , , প্রায় ৬ই, ঘামা উপরি গুুৰুৰীগাঁও ১

১৪১ ১৮ নবাব শাহজাহানের পূর্ণ বিস্তৃত রাজ্য।

३०६ " द्वितीय पाठ्यक्रम शास्त्रव ८ धारामस्त्राई । ज्ञेयोदिव वस्त्रा ।

दाता दिव वाघ कर्मण

জাতিসংঘের বাজার পরামর্শ "কেন্দ্রীয় কমিটি" চির ধার বর্তম দীর্ঘ অস্ত সংঘ দ্বাৰা গৃহীত আবশ্যিক উৎসুকি হোৱাত বৰা হৈছে।

प्राप्ति विभाग (प्रभारी) का अधिकारी ने इसका उल्लंघन करने का आदेश दिया है। इसका अधिकारी ने इसका उल्लंघन करने का आदेश दिया है। इसका अधिकारी ने इसका उल्लंघन करने का आदेश दिया है। इसका अधिकारी ने इसका उल्लंघन करने का आदेश दिया है। इसका अधिकारी ने इसका उल्लंघन करने का आदेश दिया है। इसका अधिकारी ने इसका उल्लंघन करने का आदेश दिया है। इसका अधिकारी ने इसका उल्लंघन करने का आदेश दिया है। इसका अधिकारी ने इसका उल्लंघन करने का आदेश दिया है।

मानिस/इतावाधारकर वाम १ टोला

५ घनी

सेवा सेवक काम

सेवा सेवक काम (हाँ)

ठिंडेइच एम एवाना । एवुमोरित ।

जीके काम

३२२ (प्राप्ति) देवद द्वारका पानीहार	ईडारिष्ट्री	एवुमोरित ।
,, देवद एम, पानीहार डेव्हूबैलाड़	"	
,, देवद जायलेटिलिय	१	"
,, देवद एम एवाना एवाना	एवाना एवाना ।	"

प्राप्ति अनुसार : इन्द्रधनुष वर्गादेश वा ।

१०८ वर्षात् दोषाः

क्षात्रियवंशे दोहा तु उत्तरेन परम्परां लोकानाम् विर्द्धगद्य विद्युचि विद्युचा इति

七

ଅଧିକ ପୁରସ୍କାର ଦେଣି ବିଜୟ କରିଥିଲୁଗାରୁ

ପତ୍ର ୮-୧୧-୫୩ ଚାଲିଦେଖ ୬ ନେଇ ଶ୍ରୀହାତ୍ମକ ପ୍ରଦ୍ବାବ ଏବଂ ୮-୧୧-୫୩ ଚାଲିଦେଖ ୧୧

କୋଣଠାରେ ଏକ ଡିକ୍ଟିଭ ଅଫିସାଙ୍କ
ପରେ

୨୦୧୫ କାର୍ଡିନେଟ୍

৭/৩/৭৮

সুন্দর এবং স্বচ্ছতার প্রয়োগের জন্য বিশ্ববৃক্ষ বিমিত কৃষি বিভাগ
কর্তৃপক্ষ, বিশ্ববৃক্ষ কলাবৈকল্যে রেণিহুমৌড়া দ্বীপ পরিপন্থ পালিয়ে আসা
কৃষি করা হৈব।

সুন্দর এবং স্বচ্ছতার জন্য বিশ্ববৃক্ষ কৃষি বিভাগ প্রয়োগের
বিমিত কৃষি করা হৈব।

ক্ষমতা প্রদান করা হৈছে।
বিশ্ববৃক্ষ কলাবৈকল্যের
ক্ষেত্রে কৃষি করা হৈব।

ক্ষেত্রে কৃষি করা হৈব।

৩-৩-৭৮

মুকুল

— (পঞ্জি সভাপতি)
ক্ষেত্রে কৃষি করা হৈব।

৩-৩-৭৮